

BA (PROG.) WITH SANSKRIT AS NON-MAJOR

DSC-3: Sanskrit Theatre

Credit distribution, Eligibility and Pre-requisites of the Course

Course title & Code	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Prerequisite of the course
		Lecture	Tutorial	Practical/ Practice		
(Discipline A-3) Indian Theatre	04	3	1	0	Semester II Passed	Nil

Learning Objectives

With its audio-visual characteristics, drama is considered to be the best among all forms of arts. The history of theatre in India is very old and the glimpses of the Theatre can be find in the hymns of Rigveda. The dramaturgy was later developed by Bharat. The objectives of this curriculum are to help the students to identify the richness of drama and to become aware of the classical aspects of Theatre.

Learning outcomes

After going through this course students will be able to know about several theoretical aspects of theatrical performance and production. They will become aware of the many types of theatres, their design and stage setting, acting, dress and makeup etc. Students also become familiar with the main principals of theatre performance and appreciation.

Detailed Syllabus

Unit I

Origin and development of stage in different ages:
Pre-historic, Vedic age. Epic-puranic age

Unit II

Theatre: Types and Constructions

Unit III

Drama: Subject-Matter (vastu),
Acting: Āṅgika, Vācika, Sāttvika and Āhārya

Unit IV

Actor (netā), *Rasa* (Sentiment)

Essential/recommended readings

1. नाट्यशास्त्रम्, (सम्पा. एवं व्या.) डा. पारसनाथ द्विवेदी, सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालय, वाराणसी।
2. राधावल्लभ त्रिपाठी (सम्पा. एवं संक.), संक्षिप्तनाट्यशास्त्र हिन्दी भाषानुवादसहित, वाणी प्रकाशन दिल्ली 2008
3. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्यः स्वरूप एवं परम्परा, संस्कृत परिषद्, सागर मध्य प्रदेश 1988
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी (सं.), नाट्यशास्त्र की भारतीय परम्परा एवं दशरूपक, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 1963
5. सीताराम झा, नाटक और रंगमंच, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद् पटना 1982
6. बाबूलाल शुक्ल शास्त्री (सम्पा.), नाट्यशास्त्र (1-4 भाग), चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 1984
7. राधावल्लभ त्रिपाठी, नाट्यशास्त्र विश्वकोश (1-4 भाग), प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली 1999
8. राधावल्लभ त्रिपाठी, भारतीय नाट्यशास्त्र की परम्परा और विश्व रंगमंच, प्रतिभा प्रकाशन दिल्ली।
9. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, नाट्यशास्त्रम्, विद्यानिधि प्रकाशन दिल्ली, 2003
10. केशवरामसुलगांवकर, संस्कृत नाट्य मीमांसा, परिमल प्रकाशन, दिल्ली ।
11. शिवशरण शर्मा, आचार्य भरत, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।

Suggested Readings:

1. रामलखन शुक्ल, संस्कृत नाट्य कला, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली, 1970
2. गोविन्द चन्द्र राय, नाट्यशास्त्र में रंगशालाओं के रूप, काशी, 1958
3. भानुशंकर मेहता, भरत नाट्यशास्त्र तथा आधुनिक प्रासंगिकता, वाराणसी ।
4. वाचस्पति मेहता, भारतीय नाट्य परम्परा एवं अभिनयदर्पण, इलाहाबाद, 1967
5. लक्ष्मी नारायण लाल, रंगमंच और नाटक की भूमिका, दिल्ली, 1965
6. लक्ष्मी नारायण गर्ग, भारत के लोकनाट्य, हाथरस संगीत कार्यालय, 1961
7. सीताराम चतुर्वेदी, भारतीय तथा पाश्चात्य रंगमंच, हिन्दी समिति, लखनऊ 1964
8. जगदीशचन्द्र माथुर, परम्पराशील नाट्य, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 1961
9. C.B. Gupta, Indian Theatre, Varanasi, 1954.
10. R.K. Yajnick, Indian Theatre, London, 1933.
11. Tarla Mehta, Sanskrit Play Production in Ancient India, MLBD, Delhi, 1999.
12. Allardyce Nicoll, The Theatre and Dramatic Theory, London, 1962.

Examination scheme and mode: Subject to directions from the Examination Branch/University of Delhi from time to time